राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 23 अक्टूबर • 2023

किसानों के लिए मशरूम की खेती अत्यंत लाभकारी

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

खर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक वेद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल ह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण शिविर का न हो गया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि वेद्यालय के निदेशक शोध डॉ.पीके सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि न के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम पादन एक वहुत ही लाभकारी उद्यम है। प्रशिक्षणार्थियों को संवोधित करते हुए कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि र की आवश्यकता होती है। मशरूम खाद का एक मूल्यवान स्रोत है जो नी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता थरता प्रदान करने और आय वढ़ाने की से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित मशरूम प्रशिक्षण के समापन में मौजूद लोग। फोटो : एसएनवी

एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है।

उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ.एसके विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपनाकर आत्मनिर्भर वनें। उन्होंने कहा मशरूम की खेती कर महिलाएं, वेरोजगार युवक-युवती आत्मनिर्भर वन सकते हैं। डॉ.विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानों एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के वारे में विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने वताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 50 कानपुर, सोमवार 23 अक्तूबर-2023 पृष्ठ -8

अग्निहोत्री एवं विशिष्ट अतिथि

मशरूम प्रशिक्षण के समापन,पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित

कानपुर। सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(16 अक्टूबर से 21अक्टूबर तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ।इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

23,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

6 दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(16 अक्टूबर से 21अक्टूबर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

6 दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय 16 अक्टूबर से 21अक्टूबर 2023 तक मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न

व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

मशरूम प्रशिक्षण का समापन, प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (16 अक्टूबर से 21अक्टूबर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिकए स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

कानपुर, सोमवार 23 अक्टूबर 2023

मशरूम प्रशिक्षण समापन के बाद वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय 16 अक्टूबर से 21अक्टूबर 2023 तक मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

बैंककर्मियों ने 2 लाख भर्तियों को लेकर ट्विटर पर चलाया अभियान

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स ऑल इंडिया बैंक इम्प्लॉइज एसोसिएशन के आव्हान पर बैंकों

WORLD खबर EXPRESS
WORLD
खबर एक्सप्रेस
रविवार
22 अक्टूबर, 2023
अंक - 76

छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का हुआ समापन

प्रतिभागियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(16 अक्टूबर से 21अक्टूबर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

एक नजर

मशरूम उत्पादन का 49 को मिला प्रशिक्षण

कानपुर : सीएसए विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग में छह दिन से संचालित मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम में रविवार को सफल प्रशिक्षण पूरा करने वाले 49 लोगों को प्रमाण पत्र दिया गया। विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डा. पीके सिंह ने बताया कि मशरूम की खेती के लिए बेहद कम जमीन की आवश्यकता होती है। वहीं, पादप रोग विज्ञान विभाग के डा. एसके विश्वास ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस साल अब तक 130 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। वि.

'माहि

दर्शन के गीतों स

जासं, कानपुर : अंतराग्नि
संध्या में प्रसिद्ध गायक द
ने 'माहिया जिन्ना सोहण
अपने हिट गीत सुनाकर
झूमने पर मजबूर कर दिया
गानों पर देर रात तक युव
ताल मिलाते रहे। अकापेल
गायकों ने अपनी सुरीली अ
जादू बिखेरा। इंडिया हाट
की धूम में कलाकारों के स
ने भी अपना अंदाज दिखाय
अंतराग्नि का चार

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

प्रतिभागियों को वितरित किये गये प्रमाणपत्र

6 दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का कार्यक्रम का समापन

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 22 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय(16 से 21अक्टूबर 2023 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निर्देशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महठव के अलावा मशरूम का उठपादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उ9होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है।जो

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रतिभागी।

बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उ9होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाय खाद्य पदार्थ है। उन्होंने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण,पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉ. विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं,बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगाठमक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित लगभग 49 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।